**असामान्य मनोविज्ञान का परिचय (Introduction to Abnormal Psychology)**

**परिचय:**

असामान्य मनोविज्ञान (Abnormal Psychology) मनोविज्ञान की एक महत्वपूर्ण शाखा है, जो मानव व्यवहार के उन पहलुओं का अध्ययन करती है जो सामान्य व्यवहार से विचलित होते हैं। यह शाखा मानसिक रोगों, व्यक्तित्व विकारों, भावनात्मक असंतुलन और असामान्य सोच या व्यवहार की प्रवृत्तियों की व्याख्या, पहचान, उपचार और रोकथाम पर केंद्रित होती है।

**असामान्य व्यवहार की पहचान** इस आधार पर की जाती है कि क्या वह व्यवहार सांस्कृतिक, सामाजिक और मनोवैज्ञानिक मानदंडों से विचलित है, और क्या वह व्यक्ति या समाज के लिए हानिकारक है।

**मुख्य उद्देश्य:**

1. असामान्य व्यवहारों की प्रकृति को समझना।
2. मानसिक विकारों के कारणों की खोज करना।
3. विभिन्न उपचार विधियों का विकास करना।
4. मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाना और सामाजिक कलंक को कम करना।

**प्रमुख क्षेत्र:**

* चिंता विकार (Anxiety Disorders)
* मूड विकार (Mood Disorders)
* व्यक्तित्व विकार (Personality Disorders)
* मनोविकृति (Psychosis) जैसे सिज़ोफ्रेनिया
* मनोदैहिक विकार (Psychosomatic Disorders)
* व्यसन (Addiction) और नियंत्रण संबंधी समस्याएँ

**निष्कर्ष:**

असामान्य मनोविज्ञान का अध्ययन हमें यह समझने में सहायता करता है कि कैसे मानसिक असंतुलन व्यक्ति के जीवन को प्रभावित करता है और किस प्रकार वैज्ञानिक दृष्टिकोण से इन समस्याओं का समाधान खोजा जा सकता है। यह न केवल रोगी की सहायता करता है, बल्कि समाज को अधिक सहानुभूति और समझदारी से भरने में भी सहायक होता है।